Hkkjr n'kku dk lxe cukrh jy

डॉ. प्रभात कुमार सिंघल

(*पूर्व जॉइंट डायरेक्टर*)

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

राजस्थान सरकार, कोटा, राजस्थान, भारत

---

vuq t dekj dPNy

(सीनियर सेक्शन इंजीनियर)

मध्य-पश्चिम रेल डिवीजन, कोटा, राजस्थान, भारत

BHAARAT DARSHAN KO SUGAM BANAATI RAIL

Copyright © : Dr. Prabhat Kumar Singhal
Publishing Rights Ⓟ : VSRD Academic Publishing
A Division of Visual Soft India Pvt. Ltd.

ISBN-13: 978-93-91462-30-7
FIRST EDITION, AUGUST 2022, INDIA

Printed & Published by:
VSRD Academic Publishing
(*A Division of Visual Soft India Pvt. Ltd.*)

Disclaimer: The author(s) are solely responsible for the contents compiled in this book. The publishers or its staff do not take any responsibility for the same in any manner. Errors, if any, are purely unintentional and readers are requested to communicate such errors to the Authors or Publishers to avoid discrepancies in future.

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photo-copying, recording or otherwise, without the prior permission of the Publishers & Author.

Printed & Bound in India

VSRD ACADEMIC PUBLISHING
A Division of Visual Soft India Pvt. Ltd.

REGISTERED OFFICE
154, Tezabmill Campus, Anwarganj, KANPUR – 208003 (UP) (IN)
Mb: 98999 36803, Web: www.vsrdpublishing.com, Email: vsrdpublishing@gmail.com

MARKETING OFFICE
340, FF, Adarsh Nagar, Oshiwara, Andheri(W), MUMBAI–400053 (MH)(IN)
Mb: 99561 27040, Web: www.vsrdpublishing.com, Email: vsrdpublishing@gmail.com

yfyr xx
y[kd] i=dkj] LrEHkdkj
ubZ fnYyh

çkDdFku

भारत अपनी सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर के कारण दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में अपनी पहचान बनाता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। भारत दर्शन की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए विभिन्न परिवहन साधनों में भारतीय रेल आज सर्वाधिक सुरक्षित, अधिक सहज सुलभ, सस्ता, आरामदेह, प्रदूषण मुक्त, समय की बचत के साथ तीव्रगामी माध्यम बन गया है। तकनीकी और आधुनिकता के समावेश ने भारतीय रेल पर्यटन की संभावनाओं को नये पंख लगाये हैं। तकनीकी के विकास की वजह से वर्तमान में 160 किमी रफ्तार से चलने वाली रेलगाड़ियां, अत्यंत आधुनिक सुविधाओं युक्त तेजस जैसी रेलों, अकल्पनीय विस्टाडोम कोच, डबल डेकर ट्रेन, पर्यटन में शाही सुख प्रदान करने वाली विशेष शाही पर्यटन रेलें

आज पर्यटकों के आकर्षण की धुरी बन गए हैं। विकसित रेल सुविधाओं ने ऐसे पर्यटकों के लिए भारत–यात्रा का विशेष आकर्षण पैदा किया है जो शांत, जादुई सौंदर्य और रोमांच की तलाश में पर्यटन पर जाना चाहते हैं।

पर्यटकों को रेल से यात्रा के दौरान रेलगाड़ी की खिड़कियों से नजर आते घने जंगलों और घाटियों के सुंदर नजारें, कभी पहाड़ के समीप से गुजरने के तो कभी गहन गहरी घाटियों के बीच के दृश्य, भौगोलिक स्वरूप, भूमि का श्रृंगार, जंगल और वनों का सौन्दर्य, नदियां, रेल मार्ग में आने वाले खूबसूरत घुमाव, सुरंगें, विशाल पुल और सूर्योदय और सूर्यास्त के चित्ताकर्षक दृश्य आदि देखने का भरपूर आंनद प्राप्त होता है। विभिन्न प्रांतों के सह यात्रियों की वेशभूषा, बोली,खानपान, व्यवहार, आपसी संवाद ,जरूरत के समय एक दूसरे का सहयोग आदि से भारतीय संस्कृति को देखने – समझने का अवसर भी प्राप्त होता है। रेल से पर्यटन पर जाने की यही सबसे बड़ी खूबी है कि पर्यटकों को सम्पूर्ण भारत को समझने का सुअवसर प्राप्त होता है। शायद इसीलिए महात्मा गांधी जी ने रेल को मिनी भारत कहा था। यह रेलें ही हैं जो सही अर्थों में पर्यटकों के वास्तविक भारत दर्शन के सपनों को साकार करती हैं। भारत भर में भ्रमण और अपनी अक्षत जिज्ञासा और अखंड पिपासा के साथ भारत को यहां से वहां तक घूमकर देखने के इच्छुक पर्यटकों के लिए रेल एक बेहतर विकल्प है।

पर्यटकों की विविध सुविधाओं के निरन्तर विस्तार से भारतीय रेल देश के पर्यटन विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर लोकप्रिय बन रही है। रेलवे के विशाल तंत्र से भारत के सभी प्रमुख पर्यटन स्थल रेल सेवा से सीधे जुड़े हैं। देश के महानगरों में काफी दूरी पर स्थित पर्यटन स्थलों तक सेवाएं सुलभ कराने में उपनगरीय रेल और मेट्रो रेल भी भरपूर योगदान कर रही हैं। इन शहरों में

पर्यटन स्थलों को बसों, टैक्सी, केब आदि से देखना अत्यंत उबाऊ और थकान देह होने के साथ–साथ अधिक खर्चीला है और समय भी बहुत जाया होता हैं। इनसे होने वाले खर्च और समय को मेट्रो ने कई गुणा कम कर पर्यटक स्थलों तक पहुंचने की राह को सुगम बना दिया है।

प्रस्तुत पुस्तक इसी पृष्ठभूमि भूमि का साकार रूप है। पुस्तक इतनी सरल शैली में रेल पर्यटन का इतिहास एवं वर्तमानिक स्थितियों को प्रस्तुत करती है कि पाठक को ऐसा लगता है मानो वह लेखक के साथ – साथ यात्रा कर रहा है। इस पुस्तक में पर्यटन की दिशा में नए प्रयास – रेलवे की भावी परियोजनाएं, पर्यटक सुविधाओं के विस्तार के लिए आईंआरसीटीसी के नवाचार, रोचक तथ्य और सैलानियों का सपना– खूबसूरत ट्रेन यात्राएँ जैसे विषयों को लिया गया है। साथ ही कोहिनूर टाय ट्रेन, खूबसूरत रेलवे स्टेशन और आकर्षक रेल संग्रहालय पुस्तक की विशेषता हैं। रेल यात्रा से पर्यटन की ओर आदि लेखों में रेल के इतिहास, वर्तमान एवं भविष्य से जुड़े तथ्यों का प्रभावी, तथ्यपरक, रोचक, वर्णन करते हुए भारतीय रेल के पल–पल परिवर्तित, नितनूतन, बहुआयामी और इन्द्रजाल की हद तक चमत्कारी यथार्थ से साक्षात्कार कराया है।

'भारत दर्शन को सुगम बनाती रेल' पुस्तक एक ऐसा गुलदस्ता है, जिसमें भिन्न–भिन्न प्रकार के पुष्प सुसज्जित हैं। किसी फूल में कश्मीर की लालिमा है तो किसी में प्रकृति का जादू। कोई फूल पंजाब की कली संजोए हैं, तो किसी में तमिलनाडु की किसी श्यामला का तरन्नुम। उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और अन्य प्रदेशों को एक साथ देखना हो तो रेल से दोस्ती कर लें और अकेली इस पुस्तक पढ़ डालिए। पर्यटन और भारत भ्रमण में रेल की दृष्टि से एक विलक्षण पुस्तक है।

पुस्तक के लेखक राजस्थान में कोटा निवासी डॉ. प्रभात कुमार सिंघल गम्भीर जन सम्पर्क कर्मी, पत्रकार और स्तम्भकार हैं जबकि श्री अनुज कुमार कुच्छल रेलवे इंजीनियर, साहित्यकार और पर्यटन प्रेमी हैं। दोनों ही ऐसे यायावरी पुरुष हैं जिनका लक्ष्य जीवन की आपाधापी, भागदौड़ से हटकर प्रमुख पर्यटन स्थलों के बीच जीवन के मायने ढूंढ़ना रहा है। दोनों ने भारत दर्शन के लिए कई यात्राएं साथ – साथ की। उन्होंने पाया कि सभी परिवहन माध्यमों में रेल सुगम और आरामदेह यात्रा का सबसे बेहतर विकल्प है। इसी वजह से उन्होंने अनुभूत अनुभवों को शामिल करते हुए अपने पर्यटन–वृतांत को रेल सन्दर्भ में न केवल रोचक बल्कि तथ्यपरक भी बनाया है। इस पुस्तक के पूर्व भी दोनों ने मिल कर कई अन्य पुस्तकें भी लिखी हैं। इस पुस्तक के माध्यम से लेखकों ने न केवल अपनी धर्मनिरपेक्षता का वरन समाज में शांति, अहिंसा, भाईचारे और सदभाव की प्रवृति को बढ़ाने की अपनी भावना का परिचय दिया है।

मै उम्मीद करता हूं कि यह पुस्तक पर्यटन और पर्यटकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। मुझे पुस्तक की भूमिका के लिए अवसर प्रदान करने के लिए मै लेखकों का दिल से आभार व्यक्त करते हुए उनके श्रम साध्य कार्य के लिए अपनी ओर से शुभकामनाएं देता हूं एवं पुस्तक की सफलता की कामना करता हूं।

yfyr xx

ई–253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली–110092
फोनः 22727486, 9811051133

y[kdh;

पर्यटन पर जाना हर व्यक्ति की ख्वाईश होती है। पर्यटक यात्रा के लिए अपनी सामर्थ्य, सुविधा, रुचि और विविध कारणों से रेल, बस, हवाई जहाज और समुद्री जहाज का विकल्प चुनते हैं। हवाई जहाज और समुद्री जहाज की उपलब्धता तो सीमित ही है। रेल परिवहन अन्य साधनों की तुलना में अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित, सबसे सस्ता, विस्तृत, अधिकतर सर्वत्र उपलब्ध, तीव्र और लोकप्रिय माध्यम है। यात्रा के दौरान देखने को मिलते हैं भारत भूमि के खूबसूरत नजारे, ग्रामीण और शहरी परिवेश, खेत खलियान, जंगल, रमणिक घाटियां, पहाड़, नदियां, समुद्र और दूर–दूर तक बिखरे प्रकृति के रोमांचक दृश्य।

महात्मा गांधी जी ने पैसेंजर रेल को मिनी भारत की संज्ञा दी थी। रेल सफ़र के दौरान हमें देश के विभिन्न प्रांतों के लोग, उनकी भाषा, पहनावा और संस्कृति को देखने एवं समझने का अच्छा अवसर मिलता है। पर्यटन उद्योग में रेलवे बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ट्रेनें एक ट्रिप में बड़ी संख्या में लोगों को ले जा सकती हैं।

ट्रेन यात्रा के रोमांच को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। ट्रेन सुविधाओं और रोमांच ने विदेशी सैलानियों को भी आकर्षित किया है। वे अक्सर पैलेस ऑन व्हील्स, दार्जलिंग टाय ट्रेन, कालका – शिमला ट्रेन, द फेरी कवीन जैसी ट्रेनों की सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं। प्रस्तुत पुस्तक भारतीय पर्यटन के सन्दर्भ में रेल की भूमिका और उपयोगिता को लेकर लिखी गई है। भारतीय रेल के बिना पर्यटन की कल्पना ही अधूरी है।

इस पुस्तक में मनोहारी रेल मार्ग, खूबसूरत स्टेशन, आधुनिक

सुविधाओं से युक्त शानदार ट्रेनें,लग्जरी और सुपर फास्ट रेलों के पैकेज टूर, विशेष ट्रेनें, महानगरों और बड़े शहरों में उप नगरीय और मेट्रो की सुविधाएं एवं रेल विरासत को दर्शाने वाले रेल संग्रहालय आदि की रोचक ढंग से जानकारी दी गई है। प्रमुख पर्यटन शहरों और पर्यटन स्थलों से सीधी जुड़ी या उनके नजदीकतम स्टेशन तक पर्यटकों को ले जाती ट्रेनें आदि अन्य महत्वपूर्ण विषयों को पुस्तक में शामिल किया गया है।

भारत में रेल सेवा के प्रारम्भ से लेकर वर्तमान समय तक हुए रेलवे के विकास और रोचक तथ्यों सहित पर्यटन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और भावी रेल परियोजनाओं पर भी फोकस लिया गया हैं। प्रयास रहा है कि रेल से यात्रा करने वाले यात्रियों और पर्यटकों को वह सब जानकरियां सुलभ हो सकें जो वे चाहते हैं और अपनी यात्रा को आरामदेह और यादगार बना सकें।

प्रस्तुत पुस्तक के लेखन में सहयोग के लिए हम नई दिल्ली के विख्यात वरिष्ठ लेखक, पत्रकार एवं स्तम्भकार श्री ललित गर्ग के हृदय से आभारी हैं जिन्होंने अपना कीमती समय प्रदान कर पुस्तक की प्रस्तावना लिख कर इसके के महत्व को दुगुनित किया। हम अग्रवाल न्यूरो साइक्रेट्रिक सेन्टर, जवाहर नगर, कोटा के संचालक एवं वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. एम.एल.अग्रवाल के प्रति भी हृदय गहनतम तल से आभार व्यक्त करते है जिन्होंने भारत में की गई अपनी रेल यात्रा के अनुभव साझा करने के साथ–साथ विविध प्रकार सहयोग प्रदान किया। बूंदी राजकीय महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य एवं भूगोलविद प्रो.प्रमोद कुमार सिंघल एवं कोटा के एडवोकेट अख्तर खान 'अकेला' का भी समय–समय पर प्राप्त सुझावों के लिए साधुवाद ज्ञापित करते हैं। कोटा राजकीय सार्वजनिक मंडल पुस्तकालय के संभागीय अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव एवं प्रभारी शशि जैन के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित

करते हैं जिन्होंने सन्दर्भ सामग्री उपलब्ध करा कर सहयोग किया। वरिष्ठ पत्रकार के. डी. अब्बासी और उनकी धर्म पत्नी तकसीम बानो का भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने कम्प्यूटर, टाइपिंग आदि की निशुल्क सेवाएं उपलब्ध करा कर सहयोग प्रदान किया। विविध प्रकार सहयोग के लिए हम श्री सलीमुद्दीन काज़ी का भी दिल से साधुवाद ज्ञापित करते है।

पुस्तक को त्रुटि रहित बनाने का पूरा प्रयास रहा है। आशा ही नहीं अपितु विश्वास है कि पर्यटन प्रेमियों और रेल सेवा का उपयोग करने वालों के लिए यह एक रोचक, ज्ञानवर्धक एवं महत्वपूर्ण हैंड बुक साबित होगी। आपके सुझावों का स्वागत करेंगे।

शुभकामनाओं सहित!

M,- iHkkr dekj fl?ky

vut dekj dPNy

y[k };

vuqØe

(1) jsy ;k=k ls i;ZVu dh vksj 1-8

(2) yqHkkrs [kwclwjr jsyos LVs'ku....................................... 9-23

(3) i;ZVdksa dk vkd"kZ.k jsy laxzgky; 24-33

(4) lSykfu;ksa dk liuk [kwclwjr Vwj ;k=k,¡ 34-50

(5) i;ZVd lqfoèkkvksa ds fy, vkbZvkjlhVhlh ds uokpkj 51-57

(6) i;ZVu ds vkd"kZd jsy iSdst 58-64

(7) i;ZVu dh fn'kk esa u, ç;kl&Hkkoh ifj;kstuk,¡..........65-73

(8) i;ZVu LFkyksa dks tksM+rh miuxjh; ,oa eSVªks jsy.........74-93

(9) i;ZVu LFkyksa ds lehi i;ZVdksa dks ys tkrh jsy....... 94-128

सन्दर्भ

1 'शशि' दिनेश पाठक, भारतीय रेल इतिहास एवं उपलब्धियां, जाह्नवी प्रकाशन, शाहदरा,2005.

2 Rao, M.A., Indian Railways, National Book Trust Of India, 1999

3 रेलवे मंत्रालय द्वारा प्रकाशित भारतीय रेल पत्रिका के फरवरी – मार्च 1999 से मार्च 2022 तक विविध अंक.

4 सिंघल, डॉ .प्रभात कुमार एवं कुच्छल, अनुज कुमार, भारत की विश्व विरासत (यूनेस्को की सूची में शामिल), साहित्यागार प्रकाशन, जयपुर, 2021.

5 सिंघल, डॉ. प्रभात कुमार एवं कुच्छल, अनुज कुमार, भारत में समुंदर तटीय पर्यटन, साहित्यागार प्रकाशन, जयपुर, 2021.

6 सिंघल, डॉ. प्रभात कुमार, ऐसा ही देश है मेरा, डेल्टन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018.

7. सिंघल, डॉ. प्रभात कुमार, पर्यटन और संग्रहालय, वीएस आरडी एकेडमिक पब्लिशिंग हाउस, मुंबई, 2022.

8 आईआरसीटीसी की वेब साइट.

9 केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की वेब साइट

10 भारतीय मेट्रो रेल की बेब साइट.

11 विभिन्न सोशल साइट्स एवं समाचार पोर्टल्स.

12 लेखकों द्वारा की समय – समय पर गई पर्यटन यात्राओं के निजी अनुभव.

13 डॉ. सिंघल के विभिन्न समाचार पत्रों और समाचार पोर्टल्स पर प्रकाशित आलेख